JSC-4-HI

मसीह के न्याय आसन के सामने आपको क्या प्रतिफल और न्याय मिल सकता है - प्रोग्राम 4

अनाऊंसर: वचन में विश्वासियों से कहा गया है, कि हम सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने जाना होगा, लेकीन इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए पूरा दाम नही चुकाया और परमेश्वर उन्हें फिर स्मरण नही करता?

यदि ऐसा है तो फिर विश्वासियों का न्याय मसीह के द्वारा क्यों होगा? इस न्याय का उद्धार से कोई संबन्ध नही है/ उद्धार तो पूरी तरह से परमेश्वर का मुफ्त का वरदान है, जिस पल कोई मसीह में विश्वास करता है वो इसे उसी पल पाता है/

लेकिन मसीह के न्यायआसन का संबन्ध इससे है कि उसने हमें उद्धार देने के बादहम मसीह के लिए कैसे जीए, मसीह के लिए हम ने जो भी किया उसका मुल्यांकन कर प्रतिफल दिया जाएगा/

बाइबल कहती है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने प्रकट होना होगा, कि हरकोई जिसे जो मिलना चाहिए वो पा सके, जो उन्होंने शरीर में किया था, चाहे भला या बुरा हो/

हम समझ सकते हैं कि हम ने जो उसके लिए भला किया है उसका प्रतिफल हम पाएगे, लेकिन इसका क्या अर्थ है जब बाइबल कहती है कि हम ने जो बुरा किया है उसका भी हम प्रतिफल पाएगे? क्या अविश्वासयोग्य विश्वासी विश्वासयोग्य विश्वासी जैसे प्रतिफल नही पाएगे?

लेकिन क्या मसीह के न्याय आसन के सामने आँसू होंगे? क्या प्रतिफल, आदर और सौभाग्य खो दिए जाएंगे, जो स्वर्ग में पुरे अनंतकाल तक हमारे स्थर को निश्चित करेगा?

बाइबल से इन सवालों का जवाब देने में मदत करने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉ/ अरविन लुथजर हैं, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर, शिकागो, इलेनॉय से, हम इस बात को देखेंगे कि जब यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने आपके जीवन का मुल्यांकन करेगा तो क्या पाएगा/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, यदि आप विश्वासी हैं तो क्या आप जानते हैं की मसीह के न्यायआसन के सामने क्या होगा, नंबर एक की बाइबल कहती है कि आप वहां पर होंगे, और नंबर दो, बाइबल कहती है कि हम अपना लेखा मसीह को देंगे, यदि आप कितने भी समय से विश्वासी रहे हैं, तो आप जानते हैं कि हम अपने प्रभू के लिए जो कुछ करते हैं, दू:ख की बात है कि वो मिले हुए उद्देश्य के साथ होते हैं, मसीह कैसे उन कामों का मुल्यांकन करेगा, मैं चाहता हूं कि आप मेरे मित्र के साथ की बातचीत को अब देखीए, डॉ. अरविन लुथजर ये मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर हैं, शिकागो इलेनॉय में, वो इस सवाल का जवाब दे रहे हैं, इसे गौर से सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, मैं सोचता हूं कि उद्देश्यों पर गौर करना बहुत महत्वपूर्ण है, हमें तो परमेश्वर की सेवा करनी चाहिए, कि उसे प्रसन्न करें,लेकिन वास्तविक होकर इसे स्वीकार करें कि हमारे उद्देश्य हमेशा मिले हुए होते हैं, उदाहरण के लिए, शायद हम सड़क की किसी स्त्री की मदत करें, हम डिनर तक राह नही देख सकते कि अपने परिवार को बताए कि मैंने आज के दिन अच्छा काम किया है/

मुझे याद है मैं सड़क पर जा रहा था और मैंने एक स्त्री को देखा, और उनकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया था, और कोई पेट्रोल नही था, तो मैं पेट्रोल पंप पर गया और मैंने एक कैन खरीदी और कुछ पेट्रोल खरीदा, और जैसे मैं वहां खड़ा था वहां सड़क के किनारे, कार में पेट्रोल भर था था, याने थोडा पेट्रोल भर रहा था, तो मैंने सोचा कि काश ऐसा होता कि मुड़ी चर्च के सब लोग मुझे अभी देख पाते, और हम सब ऐसे ही हैं, हैं ना?

ऐसे काम कैसे परमेश्वर को स्वीकार करने योग्य हो सकते हैं, खुश खबर ये है कि यीशु इसे करता है, छुडाए हुए लोगों के लिए, जो उद्धार पाए हैं, पहला पतरस ये कहता है कि ऐसे बलिदान चढाओ जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हैं, और फिर फिलिप्पियों में पौलुस फिर यही बात कहता है, कि उस धार्मिकता का फल से भरपूर होते जाओ, जिससे परमेश्वर कई महिमा और स्तुति होती रहे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अरविन अभी बता रहे थे, कि जब हम मसीह की सेवा क रने की कोशिश करते हैं,हमारे कामों में मिले हुए उद्देश्य हैं, मसीहइन कामों को शुद्द्ध करता है, और उसे पिता को स्वीकार करने लायक बनाता है, अब इसके बारे में और भी बातें करते हैं, जब आप मसीह के न्याय आसन के वक्त उसके सामने

खड़ेहोगे तो वो आप में क्या देखना चाहता है,बाइबल कहती है कि हमारे काम सोने, चान्दी और कीमती पत्थर जैसे हैं या, लकड़ी, घास आयर भूसे जैसे हैं, फर्क क्या है? डॉ अरविन लुथजर बता रहे हैं, गौर से सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: क्या फर्क है, सोना, चाँदी और कीमती पत्थर में जिस पर चर्चा की है और लकड़ी और घास और भूसे में, आज आप सुन रहे हैं और मसीह को प्रसन्न करना चाहते हैं, और न्याय आसन पर अच्छे रहना चाहते हैं, मैं आपको 10 वचन देना चाहता हूँ, आपको ये पुरे देखने की जरूरत नही है,आप ये वचन बता रहा हूँ जिससे समझने में मदत हो, कि मसीह किस बात को देख रहा हैं/

मैं शुरू में कहता चाहता हूं कि उसे नाम में अन्याय को सहते जाने की योग्यता, आइए इस वचन को देखते हैं जो मत्ती अध्याय 5 से है, यीशु ने कहा, धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करे, और सताएं और झूठ बोल बोलकर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहे, तब आनन्दित होना और मगन होना, क्योंकि तुम्हारे लिए स्वर्ग में बड़ा फल है, इसलिए कि उन्होंने उन भविष्यवक्ताओं को जो तुम से पहले थे इसी रीती से सताया था/ मैं चाहता हूं कि आज आप जान ले कि यदि ऐसा मौका आता है कि यीशु के कारण आपको नौकरी से निकाल दिया जाता है, तो उस मौके को न खोए, क्योंकि मसीह ने कहा है की आपका बड़ा प्रतिफल है, और वो हमारे जीवन में अलग तरह के सताव लाता है, जैसे ही हम कह सकते हैं, क्यों? इसलिए कि हमारे पास महान प्रतिफल का मौका हो/ यदि हम बाइबल के अनुसार इससे निपटते हैं, चलिए मैं आपको दूसरा उदाहरण देता हूं, कि यीशु क्या देख रहा है/

उदार होकर धन देना/ याद है मत्ती 6 में उसने कहा, अपने लिए पृथ्वी पर धन इकट्ठा न करो, जहाँ कीड़ा और काई बिगाड़ते और जहाँ चोर सेंध लगते और चुराते हैं, परन्तु अपने लिए स्वर्ग में धन इकट्ठा करो, सच में यीशु ने कईबार धन का उपयोग किया विश्वासयोग्यता के उदाहरण के लिए, उसने कहा, एक वचन में यदि तुम उसकी देखभाल नही कर सकते हैं, जो दूसरों का है, तो फिर जब परमेश्वर तुम्हें देगा तो सच्चा धन कैसे पाओगे? तो यीशु हम से कहता है कि मैं यही चाहता हूं कि तुम इस तरह से जीओ कि तुम्हें स्वर्ग में प्रतिफल मिलेगा, अच्छे निवेशक आपको बताएँगे कि आपको दो बातों कई जरूरत है, नंबर एक, सुरक्षित निवेश और दूसरी बात कि वो बढनेवाली हो/ उससे बेहतर और कुछ नही कि हम प्रभु के कामों के लिए उदारता से देते जाए, हमारे पास सच में वो होगा जो न्याय के दिन हमारी मदत करेगा/

वो पुरानी कहानी, जॉन, शायद आपने सुनी होंगी, शायद आपने कईबार बताई होगी, वो स्वर्ग में जाते हैं, और एक झोपडी देखते हैं, और उससे बहुत खुश नही होते हैं, और पतरस के शब्द थे जो कहते हैं, आपने यहाँ उपर जो भेजा उससे हम इतना ही कर पाए/ ये अजीब कहानी है लेकिन इसमें कुछ सच्चाई है/

तीसरी बात,यीशु मसीह पहुनाई को देखेगा, इन अद्भुत वचनों की सुनिए, जब तू दिन या रात का भोजन करें, तो अपने मित्रों या भाइयों या कुटुम्बियों या धनवान पड़ोसी को न बुला, कही ऐसा न हो कि वे भी तुझे नेवता दे, और तेरा बदला हो जाए/ परन्तु जब तू भोज करे तो कंगाल, टून्ड़ो, लंगड़ो और अन्धों को बुला तब तू धन्य होगा, क्योंकि उनके पास तुझे बदला देने को कुछ नही, परन्तु तुझे धर्मियों के जी उठने पर इस का प्रतिफल मिलेगा/ लूका अध्याय 14, कितना अद्भुत वाक्य है, यीशु कहता है कि हमें बाहर उनसे अच्छा व्यवहार करना है जो हमें कभी बदले में न्योता नही दे सकते, बिना कुछ पाने के मकसद से उदारता से दे/ परमेश्वर इन बातों को देखता है और ये उसके लिए महत्वपूर्ण होते हैं, इस तरह के कामों को यीशु मसीह न्याय के दिन देखनेवाला है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, इस बात पर चर्चा कर रहे हैं जो यीशु आपके जीवन में देखना चाहेगा, जब आप मसीह के न्याय आसन में उसके सामने खड़े होंगे, वो कहता है कि इन बातों के लिए वो आपको प्रतिफल देगा/ फिर मैंने डॉ. लुथजर से कहा कि हमारे दिल कई मनोदशा के बारे में बताए, उन्होंने यही कहा/

डॉक्टर अरविन लुथजर: अवश्य ही जैसे हम जोर दे रहे हैं, दिल की मनोदशा महत्वपूर्ण है, आपको वो कहानी याद होंगी, कि यीशु ने उस विधवा को दो दमड़ी देते हुए देखा था, मैंने विधवा की दमड़ी के बारे में सुना है लेकिन वचन कहता है कि उसने दो दी थी, प्रभु आशीष दे, और यीशु ने कहा कि उसने सबसे बढकर दिया क्योंकि उसने इच्छा के दिल से दिया, और सच में वो अपनी सारी जीविका दे रही थी, याने ये राशी नही लेकिन मनोदशा है और उदारता से देनेवाला दिल है, जिसमे प्रभू दिलचस्पी लेता है, और हमें प्रतिफल मिलेगा, धर्मीजन के पुनरुत्थान के समय/

चलिए मैं और भी बताऊ जिसे यीशु देखेगा, और वो है आत्मिक अनुशासन, अब ये मत्ती अध्याय 6 में बताए गए हैं, वो कहता है कि जब तू प्रार्थना करे तो अपनी कोठरी में जा, लोगों के सामने इसका दिखावा न करना, इसे परमेश्वर के लिए करे, और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा/ ये देने के बारे में कहता है जिसके बारे में हमने कुछ पल पहले कहा था/ इसलिए न दे कि लोग सोचे कि आप महान दानी हैं, गुप्त में दे और

उदारता से दे, क्योंकि परमेश्वर देख रहा है/ उपवास के साथ ऐसे ही होना चाहिए, अपने जीवन में ऐसा कुछ करें जो केवल परमेश्वर के लिए किया गया हो/ और ये इस तरह के काम होंगे जो मसीह के ध्यान को आकर्षित करेगें, यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने/

चलिए एक और बताता हूं, हमारे कामों में विश्वासयोग्य रहे, कुलुस्सियों के तीसरे अध्याय में, हम इन वचनों को पढ़ते हैं, याद रखिए पौलुस गुलामों से बातें कर रहा था, और गुलामों को बहुत मुश्किल होती थी, लेकिन गौर से सुनिए और आज के हमारे उपयोग के लिए इसे देखेंगे, हे सेवकों, जो शरीर के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं, सब बातों में उनकी आज्ञा का पालन करो, मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों के समान दिखाने के लिए नही, परन्तु मन की सीधाई और परमेश्वर के भी से/ आप जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिए नही परन्तु प्रभु के लिए करते हो/ क्योंकि तुम जानते हो की तुम्हें इसके बदले प्रभु से मीरास मिलेगी, तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो/ शायद आपको इस संसार में अच्छी मजदूरी न मिले, और यदि आप विश्वासयोग्य हैं और मसीह की सेवा करते हैं, और आप काम करते हैं कि आप उसके सामने जिम्मेदार हैं, वचन कहता है कि आपको प्रतिफल मिलेगा, और आप विरासत का प्रतिफल पाएगे /

मेरे दोस्तों मैं चाहता हूं कि आप इस सच्चाई को थाम ले, कि यीशु विवरण में दिलचस्पी लेता है, हमने बहुत कुछ किया और हम उसे भूल गए, हमने लोगों को आशीष दी और प्रोत्साहित किया और हम उन्हें याद नही करते हैं, वो उसे लिखता है और इसलिए वो इतने विवरण में है और सच में हम से कहता है, यदि एक ग्लास पानी भी दे तो प्रतिफल नही चुकेंगे/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब क्या आपको बिली ग्राहम जैसे होना है या मिशनरी होना है की मसीह के न्याय आसन में सही हो, बाइबल कहती है नही, तो वो क्या है जो हर विश्वासी कर सकता है, जो भविष्य में यीशु से प्रतिफल लाएगा? सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: यदि मैं आपके लिविंग रूम में बैठा होता और आमने सामने बातें करते, तो मैं आपसे सुनना चाहूँगा कि आप समझ रहे हैं, क्योंकि हम दिलचस्पी लेते हैं कि न्याय के दिन आप अच्छे हो, और मैं सबसे पहले मेरे बारे में परवाह करूंगा, लेकिन आपकी भी परवाह करूंगा, और जैसे हम लिस्ट में आगे बढ़ते

हैं, तो बने रहिए निराश न हो/ क्योंकि याद रखिए प्रभु यीशु मसीह आपकी और से है, और वो यहाँ हम सबकी मदत के लिए है/

नबंर 6, प्रेम के लायक न होनेवाले लोगों से प्रेम करना/ कईबार मैं लोगों को कहते सुनता हूं, मैं भक्ति पूर्ण होना चाहता हूं, जॉन आपने लोगों को इस तरह बातें करते सुना हैं, वो कहते हैं, वो भक्तिपूर्ण होना चाहते हैं, मैं जानता हूं कि वो ईमानदार हैं, जी एक तरह से ह परमेश्वर जैसे हो सकते हैं, कि हम अपने शत्रुओं से प्रेम रखे/ यीशु ने कहा यदि तुम अपने शत्रुओं से प्रेम रखोगे, ये लूका अध्याय 6 में है, तो तुम बड़ा प्रतिफल आपोगे, और तुम अपने स्वर्गीय पिता जैसे होंगे जो धर्मी और अधर्मी को आशीष देता है, याने जिस व्यक्ति से प्रेम करना मुश्किल होता है, मैं चाहता हूं कि आप इसे चुनौती के रूप में देखे, कि आप उनसे प्रेम करे और आप परमेश्वर जैसे हो जाए/ परमेश्वर प्रेम के लायक नही लोगों से प्रेम करता है, और हमें भी करना चाहिए और हमारा प्रतिफल महान होगा/ चलिए नबंर 7 देखते हैं/

सिद्धान्त की ईमानदारी, सिद्धान्त की ईमानदारी, दूसरा युहन्ना अध्याय 1 में हम पढ़ते हैं, अपने विषय में चौकस रहो की जो परिश्रम हम ने किया है, उसको तुम गवां न दो, वरन उसका पूरा प्रतिफल पाओ/ याने ये मुझे फिर याद दिलाता है जॉन कि ये संभव है, कि कुछ लोग अधुरा प्रतिफल पाएगे, ये विचार कि स्वर्ग में सब समान होंगे, और स्वर्ग में सबको एक ही प्रतिफल मिलेगा, ये सच में बाइबल के अनुसार नही है, प्रतिफल का विचार तो आता है, और आता है, वचन के इन भागों से/ चलिए अगले को देखते हैं/

लोगों में हमारा निवेश, पौलुस पहला थिस्सलुनीकियों अध्याय 2 वचन 19 में कहता है, वो कहता है भला हमारी आशा या आनंद या बढ़ाई का मुकुट क्या है? क्या हमारे प्रभु यीशु के सम्मुख उसके आने के समय तुम ही न होंगे? मैं इस सच्चाई के बारे में सोचता हूं कि जब हम प्रभू यीशु के सामने खड़े होंगे/ जिन जीवन को हमने छुआ है, वही हमारे न्याय में सबसे मुख्य घटना होगी, शायद आप ऐसी दशा में होगे कि बहुत से लोगों को स्पर्श कर सकते हैं, कि बहुत से लोगों के जीवन को स्पर्श करें और मसीही विश्वास में उन्हे प्रोत्साहित करें, और आप दूसरों को गवाही दे, ये वो भाग है जिसे यीशु मसीह देखनेवाला है/

नबंर 9, मसीह कई वापसी की राह देखना, प्रेरित पौलुस कहता है कि वो धार्मिकता का मुकुट पाएगा, और हम आनेवाले प्रोग्राम में उन मुकुटों के बारे में चर्चा करेंगे, लेकिन पौलुस कहता है कि भविष्य में मेरे लिए धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जो मुझे उस दिन देगा, और मुझे ही नही वरन उन सबको भी जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं, यीशु ने एक दृष्टांत में लूका अध्याय 12 में, कहा है, उसने विश्वासयोग्य सेवकों को आज्ञा दी है,

कि हमें अपने स्वामी की वापसी की राह देखनी है, जानते हैं किसी भी दिन मसीह आ सकता है, और वो हमें लेने के लिए आ सकता है, और सवाल ये है कि क्या हम उससे इतना प्रेम करते हैं कि उसे देखने की इच्छा रखे और कहे कि प्रभु यीशु जल्दी आ/ या कहते हैं, प्रभु यीशु इतनी जल्दी मत आ/ मेरे सही होने तक राह देख, ये और ये करूं और फिर आना/

जॉन, मैं धन्यवाद करता हूं कि आप और मैं और हमारे सारे दर्शक, यीशु से इतना प्यार करते हैं कि राह नही देख सकते हैं, कि उसे आमने सामने देखे/ और यदि हम उससे और प्यार करें तो हम उसे बेहतर तरह से दिखाते जाएगे, मुझे गस्टीव् डोर पसंद हैं जिन्होंने यीशु की सुन्दर तस्वीर बनाई/ और किसी ने उनसे कहा, इस तरह पेन्ट करने के लिए तुम उससे इतना प्यार करते होंगे, और गस्टीव डोर ने कहा, हाँ मैं उससे प्यार करता हूं, लेकिन और ज्यादा प्यार करता तो और अच्छा पेन्ट करता/ और जीवन में मेरी इच्छा है कि उससे और ज्यादा प्यार करें, कि मैं उसकी अच्छी पेंटिंग बनाऊं/

खैर हम नबंर 10 पर आ गए/ और ये दू:ख उठाना, ये पहला पतरस अध्याय 1 वचन 7 में कहता है, हम दू:ख उठाते हैं कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास जो आग से ताए हुए नाशवान सोने से भी कही अधिक बहुमूल्य है, और यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा और महिमा और आदर का कारण ठहरे/ जानते हैं मैं सोचना चाहता हूं कि परमेश्वर हमारे मार्ग में दू:ख तकलीफें लाता है, कि हमें प्रतिफल मिल सके, कि हमारे पास उसे देने के लिए कुछ हो/ और अवश्य ह वो उसे दिया जाएगा, क्योंकि हम उससे प्यार करते हैं, मैं चाहता हूं कि आज आप जाने कि मसीह जो प्रतिफल देना चाहता है, और वो जो देखना चाहता है, वो बड़े काम, हम सबसे अच्छे वो काम कर सकते हैं, जो उस पर पूरी तरह आधारित रहते हुए किए थे, चलिए इसे अलग तरह से कहते हुए बताउं, जो काम मसीह को आकर्षित करते हैं, जहाँ स्वयं मसीह हम में प्रगट होता है, और हम इस सच्चाई से सचेत होते हैं, कि हम में कुछ भलाई नही है, लेकिन केवल यीशु में ही भलाई है, और जिस हद तक हम उसे अपना जीवन जीने देते हैं, और हम में उसे उत्पन्न करने देते हैं, उसी हद तक, हमने प्रतिफल मिलेगा/

जॉन, आप पुरानी कहानी जानते हैं, माइकल एंजलो, चल रहे थे और उन्होंने मारबल देखा और उन्होंने कहा कि मैं इस मारबल में एक स्वर्गदूत देखता हूं, और अवश्य ही माइकल एन्जलो ने यही किया उस मरबल के पत्थर को तब तक छांटा, जब तक स्वर्गदूत न बन जाए/ कहा जाए तो, किसी ने मूर्तिकार से पूछा, आप पत्थर में स्वर्गदूत कैसे बनाते हैं, तो कहा कोई समस्या नही, बस एक पत्थर लेकर जो भी स्वर्गदूत नही दीखता उस भाग को छांट दे, परमेश्वर हमारे जीवन में यही तो कर रहा है, वो उन सब भागों को छांट रहा है जो यीशु नही है,

और जिस हद तक हम उससे प्यार करते और उसके लिए जीते हैं, उस हद तक हम उसे ये कहते हुए सुनेंगे, हे भले और विश्वासयोग्य दास तूने अच्छा किया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब आज के प्रोग्राम को देखने के बाद, मैं नही चाहता कि आप ये सोचे कि ये आपके भले काम हैं, जिससे आपने परमेश्वर से क्षमा पाई है, और स्वर्ग कमाया है, कोई भी उद्धार कमा नही सकता, तो हम स्वर्ग में कैसे जाते हैं, और किस आधार पर मसीह विश्वासियों को प्रतिफल देता है? सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: अब मैं आपके सबसे महत्वपूर्ण बात बताना चाहता हूं, हम बहुत ही गंभीर बातों पर चर्चा कर रहे हैं, खासकर, यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने न्याय किया जाना, लेकिन मैं उसके पहले आपसे सवाल पूछना चाहता हूं, क्या आपने सोचा है कि स्वर्ग में जाने के लिए आपको कितना सिद्ध होने की जरूरत है? मैंने लोगों से ये सवाल पूछा तो जवाब मिला आशा है कि ज्यादा सिद्ध नही, लेकिन हम जाएंगे, मैं बताना चाहता हूं कि जब तक आप परमेश्वर जितने सिद्ध न हो जाए, आप सदा के लिए खोए रहेंगे/

लेकिन ये शुभ सन्देश है, जब हम खुद पर भरोसा रखना बन्द करते हैं, और हम अपना विश्वास यीशु मसीह पर रखते हैं, हम उसकी धार्मिकता पाते हैं और परमेश्वर कई दृष्टी में, हम उतने ही सिद्ध होते हैं जितना सिद्ध वो है, जो पाप से अज्ञात था वो हमारे लिए पाप बनाया गया, कि हम उसमे परमेश्वर की धार्मिकता पाए/ मैं आज ये शुभ सन्देश किसी को बता रहा हूं, अभी हम कह सकते हैं प्रभु यीशु मैं एक पापी हूं और तेरे मुफ्त के वरदान को लेता हूं, यदि आप ये करेंगे तो आप मसीह के न्याय आसन के सामने, आप ने किए हुए कामों का लेखा देंगे, आपके बदलाव के बाद से, तो कुछ लोगों के लिए इस समय से आगे/ क्योंकि अब आप परमेश्वर के बेटे और बेटियां हो गए हैं, और अब पिता के रूप में वो आपका मुल्यांकन करेगा, हम इसी के बारे में कह रहे हैं, और मैं चाहता हूं कि आप जान जाए, कि आप उसके लिए जो भी करते हैं, वो लिखा जाता है और ये उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और बहुमूल्य है/

मैंने आपको दस बातें बताई हैं जो यीशु मसीह देखना चाहता है, हम इस लिस्ट में पढ़ते हैं और खुद मानते हैं कि हम में ये सारी विशेषताए नही हैं, मैं उन विश्वासियों से कह रहा हूं जिन्होंने अपने जीवन को गडबडी में लाया है, आप कहाँ शुरू करेंगे, आज आप शुरू कीजिए, समर्पण और विश्वास से, ये याद रखते हुए कि अब से आगे आप

जो भी काम करेंगे, वो काम यीशु मसीही के द्वारा पिता को स्वीकारणीय होंगे,यदि आप इसे नम्रता में और उस पर आधारित होकर करते हैं तो/

जानते हैं, जॉन, मुझे राजा की वो कहानी याद आती है, वो धनी मनुष्य जो भारत देश में था, और मैं यही कहना चाहूँगा कि वो अद्‌भुत व्यक्ति हैं, वो एक सुन्दर रथ पर सवार थे और रास्ते पर एक भिखारी खड़ा था, एक कटोरी चावल लेकर, कुछ पाने की आशा में/ और राजा रथ से नीचे उतर कर भिखारी के पास जाकर कहता है, भिखारी मुझे अपने चावल में से कुछ दो/

भिखारी चकित हो गया, ये मुझे कैसे कुछ मांग सकता है? तो बड़ी ही गुस्से से, और क्रोध में आकर, उस भिखारी ने इस धनी व्यक्ति को चावल का एक दाना दिया, और राजा ने कहा मुझे अपने चावल में से और भी दो, और भिखारी ने उसे चावल का दूसरा दाना दिया, और फिर तीसरा और फिर नही दिया, राजा अपने सुन्दर रथ पर चढ़ा और चला गया, भिखारी तो बहुत गुस्से में था, गुस्से से उसने अपने कटोरे के चावल के दानों को देखा, और देखा कुछ चमक रहा है, तो उसने ध्यान से देखा, वो चावल के दाने के आकार का सोना था, फिर उसने और भी ध्यान से देखा, और उसे केवल और दो दिखे, चावल के हर दाने के लिए सोने के दाने मिले/

जानते हैं, मसीह के न्याय आसन के समय हम ऐसे ही देखेंगे, हमारे चावल के बजाए उसका सोना, हमारा जीवन और हमारी गवाही, उसकी आशीष के लिए, और उसका होने का आदर, पुरे अनंतकाल तक होगा, आज हम उस भिखारी के जैसे कहे, ओह, ओह, अगर मैंने उसे अपने सारे चावल दे दिए होंगे, खैर आज हमारे पास मौका है कि मसीह को दे, वो सब जो हम हैं, हमें प्रतिफल दिया जाएगा और मैं बताऊं जॉन, ये ऐसा सोना है जो आग में बचा रहेगा, जिसके बारे में हम अगले प्रोग्राम में चर्चा करेंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाउनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र्‌ द्यद्ग ठ्ठड़ड्ढद्रद्य ख्र्द्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्र्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ऋच्ड्ढक्ष्